

आरे में अंडरग्राउंड मेट्रो का कारशेड 95 पर्सेंट रेडी

अप्रैल में आरे से बीकेसी के बीच सेवा शुरू करने की योजना

■ वसं, मुंबई : मुंबई की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो के कोच के रख-रखाव के लिए आरे में कारशेड निर्माण का काम अंतिम चरण में है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) ने कारशेड का 95 पर्सेंट काम पूरा कर लिया है। ऐसे में, मेट्रो-3 कॉरिडोर के पहले फेज पर अप्रैल तक सेवा शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है। एमएमआरसी ने पिछले साल दिसंबर 2023 तक आरे से बीकेसी के बीच मेट्रो सेवा शुरू करने की घोषणा की थी। लेकिन ट्रायल रन और कारशेड तैयार नहीं होने से डेडलाइन आगे खिसक गई और अब अप्रैल, 2024 नई डेडलाइन तय हुई है।

एमएमआरसी की एमडी अश्विनी भिडे ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आरे में कारशेड के निर्माण कार्य का जायजा लिया। एमएमआरसी के मुताबिक, आरे में स्टेशन बिल्डिंग, शॉटिंग ट्रैक, ओसीसी बिल्डिंग, मेनटिनेंस वर्कशॉप का काम 95 फीसदी हो चुका है। पहले फेज में 9 ट्रेनों की सेवाएं शुरू करने की योजना है, 8 डिब्बों की 9 ट्रेन पहले आरे पहुंच चुकी है। डिपो में ट्रेनों की असेंबलिंग का काम भी करीब-करीब पूरा कर लिया गया है।

आरे से बीकेसी के बीच मेट्रो दौड़ाने के लिए पिछले साल से ही ट्रायल रन



मेट्रो के रख-रखाव के लिए आरे में कारशेड लगभग तैयार हो चुका है।



समझिए खबरों के अंदर की बात

कारशेड से अटका था मेट्रो का रन

मेट्रो-3 के आरे में कारशेड को लेकर शुरू से ही काफी उथल-पुथल रही। इसी चक्कर में काम आगे खिसकता गया। बाद में कारशेड का काम पूरा नहीं होने पाने के चलते ही मेट्रो-3 की सेवाएं शुरू होने में काफी देर हो गई। बार-

बार आगे खिसकती डेडलाइन को पूरा करना एमएमआरसी के लिए भी चुनौती बन गया। इसीलिए इस बार सरकार बदलते ही कारशेड के काम को रफ्तार देने की पूरजोर कोशिश हुई। अब जबकि आरे कारशेड का काम लगभग पूरा हो चुका है, तो मेट्रो-3 के पटरी पर दौड़ने की संभावना भी बढ़ जाएगी। इसके अलावा चुनावी साल होने से शासन-प्रशासन भी मेट्रो-3 का काम तेजी से पूरा कर अंडरग्राउंड मेट्रो चलाने की जल्दी में है।

चल रहा है। हालांकि, अब तक ट्रायल की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। आरे में 25 हेक्टेयर जमीन पर कारशेड बनाया जा रहा है, जहां 42 मेट्रो ट्रेनों का आसानी से रख-रखाव किया जा

सकेगा। कोलाबा-बांद्रा-आरे के बीच 35 किमी लंबा मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। अब तक 85 फीसदी से अधिक तक पूरे कॉरिडोर का निर्माण हो चुका है।